



Mayur Tiwari



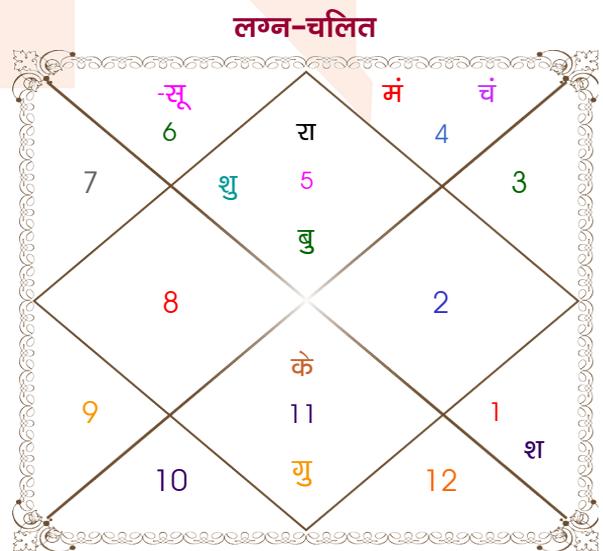
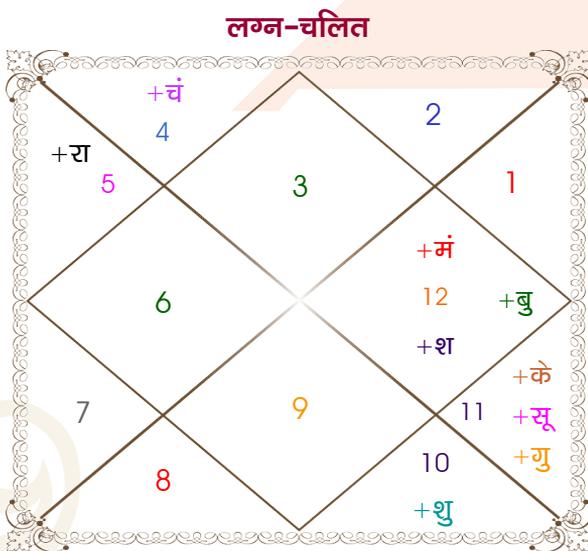
Dimpal sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121292602

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 10/03/1998 : _____ जन्म तिथि _____ : 16-17/09/1998
 मंगलवार : _____ दिन _____ : बुध-गुरुवार
 घंटे 12:10:00 : _____ जन्म समय _____ : 05:25:00 घंटे
 घटी 13:39:35 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 58:01:23 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jaipur : _____ स्थान _____ : Delhi
 26:53:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 75:50:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:42:10 : _____ सूर्योदय _____ : 06:06:24
 18:31:46 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:25:19
 23:49:49 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:50:12

विंशोत्तरी बुध 8वर्ष 2मा 3दि शुक्र 13/05/2013 13/05/2033		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 15वर्ष 4मा 15दि शुक्र 01/02/2021 01/02/2041	
शुक्र	11/09/2016	02:43:19	मिथु	लग्न	सिंह	20:03:41	शुक्र	02/06/2024
सूर्य	11/09/2017	25:39:32	कुंभ	सूर्य	कन्या	00:04:02	सूर्य	02/06/2025
चन्द्र	13/05/2019	23:35:18	कर्क	चंद्र	कर्क	17:56:25	चन्द्र	01/02/2027
मंगल	12/07/2020	10:30:05	मीन	मंगल	कर्क	23:27:00	मंगल	02/04/2028
राहु	13/07/2023	09:40:10	मीन	बुध	सिंह	22:20:07	राहु	03/04/2031
गुरु	13/03/2026	14:16:59	कुंभ	गुरु व	कुंभ	29:06:09	गुरु	02/12/2033
शनि	13/05/2029	10:34:11	मक	शुक्र	सिंह	18:46:51	शनि	01/02/2037
बुध	13/03/2032	25:18:22	मीन	शनि व	मेष	08:54:52	बुध	03/12/2039
केतु	13/05/2033	16:44:39	सिंह	राहु	सिंह	07:34:58	केतु	01/02/2041
		16:44:39	कुंभ	केतु	कुंभ	07:34:58		
		17:06:25	मक	हर्ष व	मक	15:22:50		
		07:31:32	मक	नेप व	मक	05:42:37		
		14:13:58	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:44:16		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मार्जार	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

इंलनत ज्पूतप का वर्ग श्वान है तथा क्पउचंसोतउं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार इंलनत ज्पूतप और क्पउचंसोतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

इंलनत ज्पूतप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

क्पउचंसोतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्पउचंसोतउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमे: वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्पउचंसोतउं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा। न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र व्पउचंसोतुं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डलनत ज्पूतप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डलनत ज्पूतप तथा व्पउचंसोतुं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।